सूर काव्य में व्यंग्य

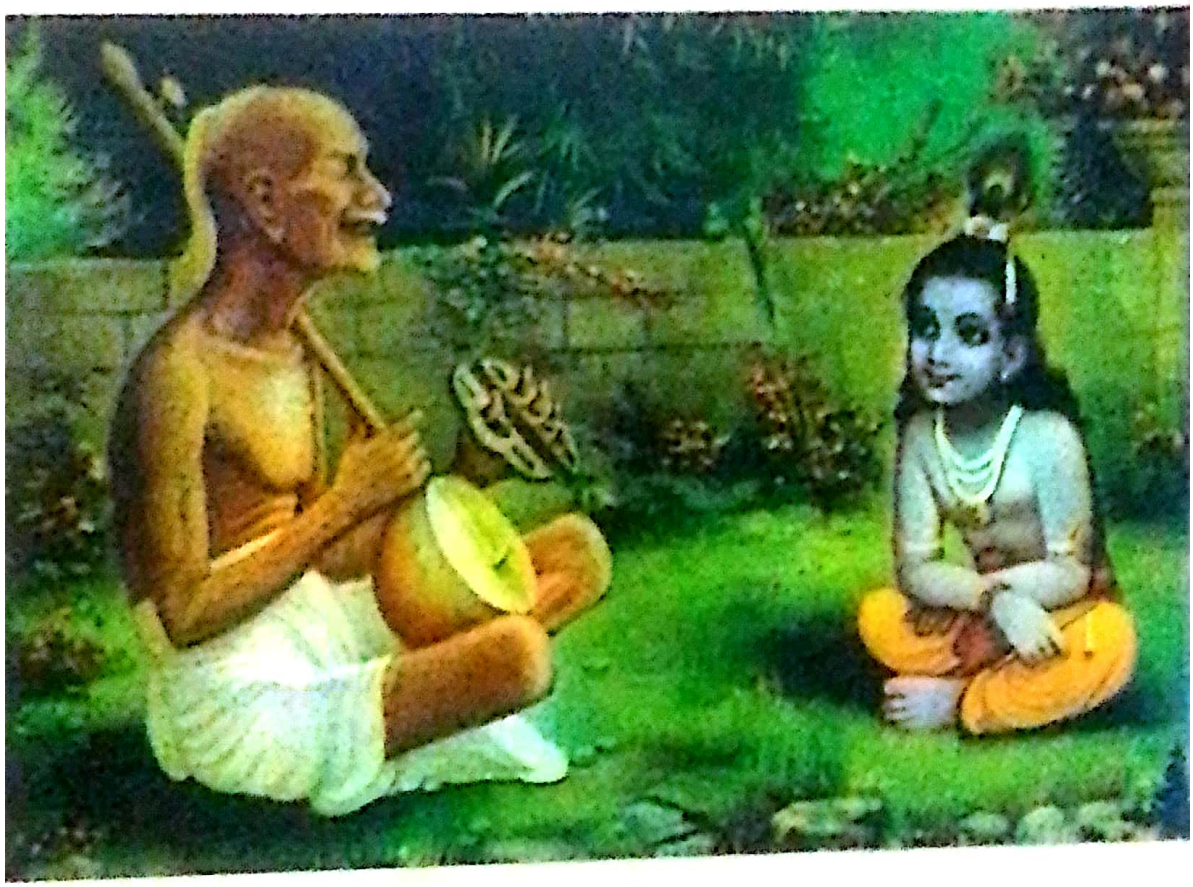

डॉ. बिप्पू रजक

Scanned with OKEN Scanner

© डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

संस्करण - 2011
मुद्रित प्रतियाँ -500
मूल्य - रूपये 400

प्रकाशक
प्रांजल प्रकाशन
घूना की डाँट के सामने
परकोटा वनवे रोड, सागर (म.प्र.) 470 002
दूरभाष 07582-244289, 244879

अक्षर संयोजन
गौरव जैन
रॉयल कम्प्यूटर्स
वनवे रोड, सागर (म.प्र.) 470 002
दूरभाष : 07582-244289, मो. : 94254 52106

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

अध्याय - एक : 01

सूरदास - व्यक्तित्व - विश्लेषण और रचना संसार

(क) सूर का व्यक्तित्व-विश्लेषण

(ख) सूर का रचना-संसार

अध्याय - दो : 14

व्यंग्य की अवधारणा व स्वरूप-विकास

(क) व्यंग्य की अवधारणा

(ख) सूर पूर्व व्यंग्य का स्वरूप और विकास

अध्याय - तीन : 33

सूरसागर में व्यंग्य का स्वरूप

(क) भक्ति व विनयपरक पदों में व्यंग्य का स्वरूप

(ख) वात्सल्यपरक पदों में व्यंग्य का स्वरूप

(ग) संयोग श्रृंगारपरक पदों में व्यंग्य का स्वरूप

(घ) वियोग श्रृंगारपरक पदों में व्यंग्य का स्वरूप

(ड) अन्य पदों में व्यंग्य का स्वरूप

अध्याय - चार : 128

सूर-सारावली में व्यंग्य का स्वरूप

अध्याय - पांच : 137

साहित्य लहरी में व्यंग्य का स्वरूप

अध्याय - छह : 146

निष्कर्ष सूर काव्य में व्यंग्य की महत्ता 160

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. बिप्पू रजक

नाम	:	डॉ. बिप्पू रजक
जन्म	:	01 फरवरी 1977, ग्राम बन्द्रावठा (खुरई) पालन-पोषण, शिक्षा-दीक्षा, ननिहाल ग्राम हनौता पारीक्षत (सागर)
शिक्षा	:	हायर सेकेन्डरी - ग्रामीण क्षेत्र एम.ए., पी-एच. डी. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
सेवा	:	अक्टूबर 2004 से निरंतर म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग में अतिथि विद्वान
सम्प्रति	:	अतिथि विद्वान हिन्दी, शास. स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)
लेखन	:	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में कविताएँ, कहानी एवं आलेख प्रकाशित
सम्पर्क	:	ग्राम हनौता पारीक्षत, पोस्ट ईशुरवारा तहसील व जिला सागर (म.प्र.) 470 115 मो. : 9425691794

Scanned with OKEN Scanner